Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. 'पिछवाई' चित्रण किस चित्रकला शैली से सम्बन्धित है?

(a) नाथद्वारा शैली (b) किशनगढ़ शैली
(c) अलवर शैली (d) बूंदी शैली

Lab Asst. (Sce.)(II-Step) 29.06.2022
RPSC ST-81 G.K. & Horticulture-28.10.2018
Junior Instructor Welder-26.03.2019
उद्योग निरीक्षक परीक्षा -2018
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) परीक्षा -2019
कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिकल डीजल इंजन) परीक्षा -2018
RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (a) : 'पिछवाई' चित्रण नाथद्वारा शैली से संबंधित है। पिछवाई चित्रण का उपयोग मूर्ति के पीछे, मंदिरों की दीवारों को सजाने के लिए किया जाता है। पिछवाई शैली नाथद्वारा स्कूल से संबंधित है, और श्रीनाथ जी की मूर्ति पर सुविधाओं के समान बड़ी आंखों, चौड़ी नाक और भारी शरीर की विशिष्ट विशेषताओं से पहचानी जाती है। पिछवाई शैली के चित्र भगवान श्री कृष्ण के जीवन से संबंधित है।

125. 'पिछवाई' कलाकृतियों में बने चित्र उद्धत किए गए हैं-

(a) भगवान कृष्ण के जीवन से
(b) भगवान राम के जीवन से
(c) पांडवों के जीवन से
(d) भगवान शिव के जीवन से

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. पिछवाई चित्रशैली का मुख्य विषय है?

(a) युद्ध (b) राजदरबार
(c) श्री कृष्ण लीला (d) प्रणय प्रसंग

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

127. 'नाथद्वारा चित्रकला शैली' में चित्रण मिलता है।

(a) शिव (b) कृष्णा
(c) श्रीनाथजी (d) गणेश

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. कौन सा (हस्तशिल्प-स्थान) सही सुमेलित नहीं है?

(a) बंधेज (टाई एंड डाई)-जयपुर
(b) मसूरिया साड़ी-कैथून (कोटा)
(c) लकड़ी के खिलौने-बस्सी (चित्तौड़गढ़)
(d) तारकशी का काम-उदयपुर

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22

Ans. (d) : तारकशी के काम के लिए राजस्थान का नाथद्वारा (राज-समंद) प्रसिद्ध है। तारकशी कला राजस्थान के प्रसिद्ध हस्त कलाओं में से एक है। चाँदी के पतले तारों से आभूषण बनाने की कला तारकशी कहलाती है। राजस्थान के प्रमुख हस्त शिल्प और उससे संबंधित स्थल निम्नलिखित हैं-

	हस्तशिल्प		संबंधित स्थल (जिला)
(i)	थेवा कला	-	प्रतापगढ़
(ii)	बंधेज (टाई एंड डाई)	-	जयपुर
(iii)	मसूरिया साड़ी	-	कैथून (कोटा)
(iv)	लकड़ी के खिलौने	-	बस्सी (चित्तौड़गढ़)

129. तारकशी के आभूषण के लिये राजस्थान का कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?

(a) नाथद्वारा (b) चित्तौड़गढ़
(c) बाड़मेर (d) उदयपुर

महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. कमला और इलाइची किस चित्रकला शैली की अग्रगण्य महिला चित्रकार है?

(a) जोधपुर (b) नाथद्वारा
(c) किशनगढ़ (d) बूंदी

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (b) – मेवाड़ शैली का दूसरा प्रमुख रूप नाथद्वारा शैली में दिखाई देता है। नाथद्वारा की पिछवाई में भगवान श्रीकृष्ण के चित्रों के पीछे सफेद कपड़े पर कृष्ण जी की लीलाओं के दृश्य का चित्रण किया गया है। नाथद्वारा शैली के प्रमुख चित्रकार बाबा रामचन्द, नारायण, चतुर्भुज, तुलसीराम, तथा घासीराम है। नाथद्वारा शैली की प्रमुख महिला चित्रकार कमला और इलायची थी।

131. ..... फड़-चित्रण के लिए जाना जाता है।

(a) शाहपुरा (b) चित्तौड़
(c) नाथद्वारा (d) किशनगढ़

RPSC Van Rakshak 11.12.2020 (3 to 5 pm)

Ans. (a) : फड़ पेंटिंग राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा क्षेत्र में प्रचलित है। फड़ पेंटिंग पारंपरिक रूप से कपड़े या कैनवास के लम्बे टुकड़े पर की जाती है। जिसे फड़ के रूप में जाना जाता है। राजस्थान के लोक देवताओं के आख्यान ज्यादातर पाबूजी और देवनारायण, फड़ों पर चित्रित किए गये हैं। वर्तमान में श्री लाल जोशी, नंद किशोर जोशी, प्रकाश जोशी और शांति लाल जोशी फड़ पेंटिंग के प्रसिद्ध कलाकार हैं।

132. श्रीलाल जोशी एक प्रमुख चित्रकार है-

(a) बणी-ठणी चित्रकला के (b) पिछवाई के
(c) माण्डणा के (d) पट-चित्रण/फड़ के

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020
Agriculture Superviser 2021

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

133. राजस्थान का कौन -सा 'फड चित्रांकन' के लिए प्रसिद्ध है?

(a) भीलवाड़ा (b) जयपुर
(c) कोटा (d) प्रतापगढ़

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. निम्नलिखित में से कौन सी मेवाड़ चित्रकला शैली की उपशैली है?

(a) नागौर (b)किशनगढ़
(c) देवगढ़ (d) बीकानेर

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (c) देवगढ़, चावण्ड, नाथ द्वारा एवं उदयपुर शैली, मेवाड़ चित्रकला शैली की उपशैली है। मेवाड़ चित्रकला राजस्थान की मूल एवं सबसे प्राचीन शैली है। इस चित्रकला शैली का आरम्भ महाराणा कुम्भा के काल में हुआ था। अमर सिंह प्रथम का काल इस चित्रशैली का स्वर्णयुग माना जाता है। जबकि अन्य तीनों विकल्प मारवाड़ चित्रकला शैली उपशैली है।